जय रघुनन्दन जय सियाराम

जय रघुनन्दन जय सियाराम |
हे दुखभंजन तुम्हे प्रणाम ||

भ्रात भ्रात को हे परमेश्वर, स्नेह तुन्ही सिखलाते |
नर नारी के प्रेम की ज्योति जग मे तुम्ही जलाते |
ओ नैया के खेवन हारे, जपूं मै तुमरो नाम ||

तुम्ही दया के सागर प्रभु जी, तुम्ही पालन हारे |
चैन तुम्ही से पाए बेकल मनवा सांझ सवेरे |
जो भी तुमरी आस लगाये, बने उसी के काम ||

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/68/title/jai-raghunandan-jai-siya-raam

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |